ALL INDIA WILD LIFE RESQUERS GROUP (TRUS
Add- Akaripur, Soraon, Prayagraj Mob.: 9415637216, 8840852387
ALL INDIA WILD LIFE RESQUERS GROUP (TRUS
Add- Akaripur, Soraon, Prayagraj Mob.: 9415637216, 8840852387

ALL INDIA WILD LIFE RESQUERS GROUP (TRUS
Add- Akaripur, Soraon, Prayagraj Mob.: 9415637216, 8840852387
VOLTAS

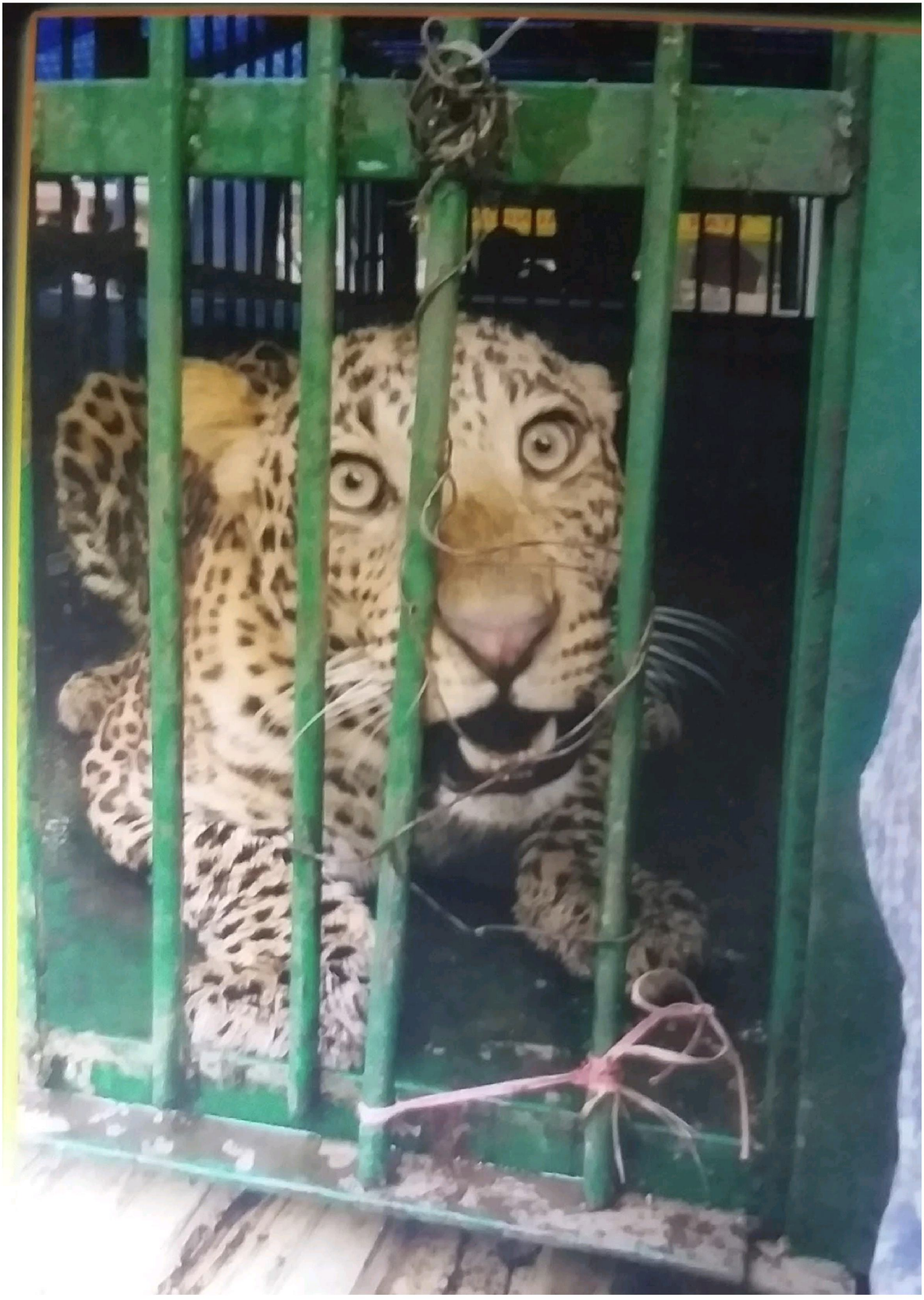

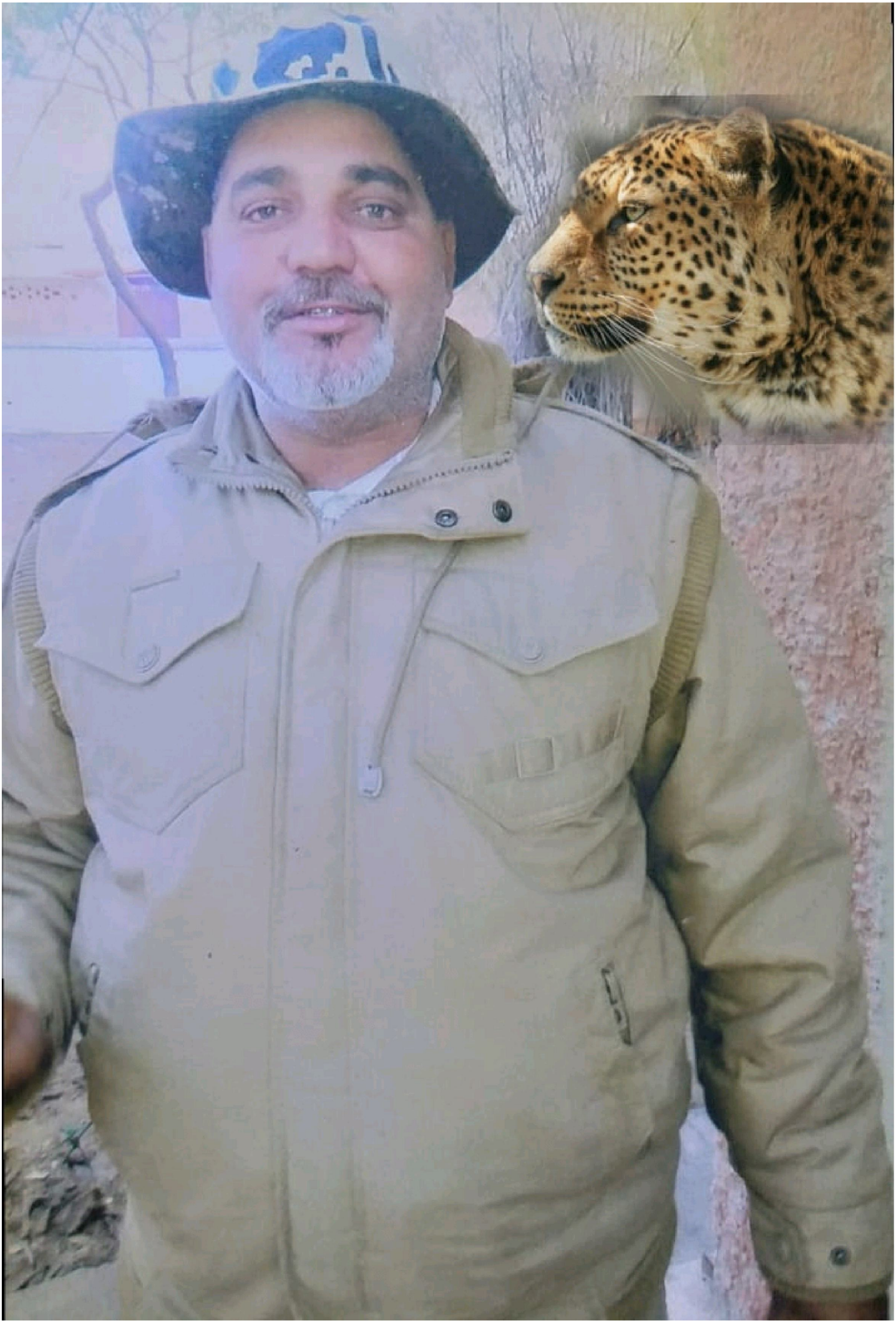

जागरण

इलाहाबाद, 9 अक्टूबर 2011

निकाली गयी जागरूकता झांकी।

वृक्ष बिना नहीं कल्याण...

सोरांव, इलाहाबाद : पर्यावरण व वन्य जीव संरक्षण जागरूकता के लिए शक्ति महादेव सेवा संस्थान के अध्यक्ष मानस बाबा व पीएफ के वन्य जीव निरीक्षक जादूगर वी के टार्जन के नेतृत्व में संयुक्त रूप से आकर्षक झांकी निकाली गयी। बिना लाइट सिस्टम व डीजे आदि के मात्र पेड़ पौधों व घास फूस के माध्यम से सजाई गयी झांकी मेले का मुख्य आकर्षक रही। सर्प दंश व सर्प सुरक्षा से लेकर, जीव जन्तु की रक्षा व पर्यावरण संरक्षण की यह झांकी वास्तव में सराहनीय रही। कहते हैं सब वेद पुराण, वृक्ष बिना नहीं कल्याण का नारा देते हुए मानस बाबा ने लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

मंगलवार की रात टीम बनाकर रतजगा करते ग्रामीण।

जेसीबी से कुचली सब्जी की खेती। जागरण

खौफ के साए में ग्रामीणों को बितानी पड़ी रात

प्रतापगढ़ : चीते के खौफ से रात भर सराय बहेलिया गांव के लोग सहमे रहे। यह जानते हुए कि वह चीते का कुछ नहीं बिगाड़ सकते ग्रामीण रात भर जागकर पहरा देते रहे। गांव के एक-एक घर के महिला-पुरुष हाथों में हथियार लिए तैयार थे। हालांकि उनके हाथ के साथ पूरा शरीर इस आशंका में कांप रहा था कि अगर जंगली जानवर सामने आ गया तो क्या होगा। घर के सामने आग जलाए ग्रामीण अपने जानवरों व लोगों की सुरक्षा को लेकर फिक्र करते रहे। हर खटके पर बस यही लगता था कि शायद कोई और उसका शिकार हुआ, लेकिन रात शांति से गुजर गई।

नगर कोतवाली क्षेत्र का सराय बहेलिया गांव सुबह सात बजे निर्मला की चीख के बाद से दहशत में आ गया था। इसके बाद ग्रामीणों की टीम जब उसे भगाने के लिए लाठी डंडे से लैस होकर भिंडी के खेत में पहुंची तो चीते का तो कुछ न कर सकी अलबत्ता सभी घायल होकर ही लौटे। इसके बाद [illegible] खेत में दाखिल होने का प्रयास करने वाले दो [illegible] उसके हमले ने गांव के ही लोगों की दिलों की धड़कनें बढ़ा दीं। ज्यों-ज्यों अंधेरा बढ़ने लगा, लोगों की सांसें भी तेज चलने लगीं थी। देर शाम जब लखनऊ से टीम पहुंची तो ग्रामीणों में यह आस बंधी कि अब शायद उन्हें इस मुसीबत से छुटकारा मिल जाएगा। लखनऊ की टीम ने उस पर बेहोशी की गोली तो चलाई, लेकिन चीता [illegible] उनकी उम्मीदों से ज्यादा शातिर निकला। थोड़ी ही देर में वह भिंडी के खेत से निकलकर अन्य खेतों से कुलांचे भरता भाग निकला। इसके बाद कई खेतों में [illegible] लेकिन उसका पता [illegible] ने अपने सारे तामझाम समेटे और वहां से निकल गए। अपने पीछे छोड़ गए अंधेरा और ग्रामीणों में दहशत। उनके जाते ही एक बार फिर ग्रामीणों के दिल में दबी दहशत ने अंगड़ाई ली। इस पर ग्रामीणों ने अपने पैसे से आनन-फानन जनरेटर की व्यवस्था की, और टीम बनाकर पहरेदारी करने का निर्णय लिया। बच्चों व बुजुर्गों को घरों के अंदर कर दिया गया। जिनके घर छप्पर के थे वह भी अपने पड़ोसियों के यहां पनाह ले लिए। उधर पहरे के लिए बनी टीम में मौजूद लोगों के दिल भी धड़कते रहे। इसका कारण रहा कि दिन में भी उसे पकड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन बदले में लोगों को घाव ही मिले। हर बीतने वाला पल सुकून देता था तो हर बार हुआ खटका उनकी जान सुखा देता था। हल्के शोर पर भी यही लगता था कि शायद किसी को चीते ने शिकार बना लिया। जानवरों के नजदीक आग जला दी गई थी। सतर्क निगाहें हर तरफ घूम रहीं थीं। रात के चार बजे तक यह क्रम चलता रहा। दो टीम सोती तो दो जागकर पहरा देती रहती। सुबह की पहली किरण ने उसके दिलों को भी सुकून से भर दिया।

...लकड़बग्घा, मुंहनोचवा और अब तेंदुआ

रमेश त्रिपाठी, प्रतापगढ़ : बेल्हा में जंगली जानवरों का आतंक नया नहीं है। पूर्व में भी जंगली जानवरों का आतंक रहा है और कई लोग उनके हमले से जख्मी भी हुए थे। लगभग डेढ़ दशक पूर्व यहां लकड़बग्घा का आतंक था। इसके बाद मुंहनोचवा व अब तेंदुए के आतंक से लोग भयभीत हैं। हालांकि वन विभाग द्वारा बुलाई गई बाहर की टीमों द्वारा शुरू किया गया कोई भी आपरेशन कामयाब नहीं रहा। न तो लकड़बग्घा पकड़ा गया और न ही मुंहनोचवा। तेंदुए को पकड़ने के लिए लखनऊ, लखीमपुर खीरी के साथ वन विभाग की टीम लगी है, देखना यह है कि तेंदुआ पकड़ा जाता है या नहीं। जानकारी के मुताबिक प्रतापगढ़ के तत्कालीन सांसद डा. राम विलास वेदांती के कार्यकाल में वर्ष 1997-98 में जिले के पूर्वी इलाकों में लकड़[illegible] लकड़बग्घे के हमले से पट्टी, चांदा, फतनपुर, रानीगंज क्षेत्र के दर्जनों लोग जख्मी हुए। लखनऊ तक की [illegible] को पकड़ने का अभियान छेड़ा लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। धीरे धीरे इसका आतंक स्वयं समाप्त हो [illegible]। लगभग 8 वर्ष पूर्व 2004-05 में मुंहनोचवा का आतंक प्रारंभ हुआ। मुंहनोचवा के बारे में बताया गया कि उस जानवर को कोई देख नहीं सका था। शाम ढलने के बाद ही वह हमला करता था। इसका काफी हो हल्ला मचा। कई लोग मुंहनोचवा की चपेट में आकर जख्मी हुए। उस समय भी वन विभाग ने मुंहनोचवा को पकड़ने का अभियान चलाया लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। लगभग एक माह तक [illegible] जानवर के का आतंक रहा। मंगलवार को नगर कोतवाली क्षेत्र के सराय बहेलिया गांव में [illegible] हमले से दर्जनों लोग जख्मी हुए। मंगलवार सुबह से ही ग्रामीणों ने इसकी [illegible] के साथ वन विभाग को दे दी थी। इसके बावजूद जानवर को पकड़[illegible] विलंब से प्रारंभ किया गया। लखनऊ से बुलाई गई टीम रात [illegible] नेशनल पार्क लखीमपुर खीरी की टीम बुधवार की शा[illegible] दो दिन बीतने के बाद भी अभी तक तेंदुआ पक[illegible] कंट्रोल रूम [illegible] सिलसिला काफी [illegible] गांव पहुंची और दुधवा [illegible] साढ़े तीन बजे वहां पहुंच सकी। [illegible] सका है।

ग्रामीणों की जुबानी दहशत की कहानी

प्रतापगढ़ : सराय बहेलिया गांव में अभी भी दहशत का माहौल है। जरा ही आहट पर उनके रोंगटे कल की घटना को सोचकर खड़े हो जाते हैं। ग्रामीणों की जुबान [illegible] जहां प्रशासन व जन [illegible]थियों के बारे में आक्रोश है। लोगों का कहना था कि समय रहते प्रशासन सतर्क हो गया होता तो इतनी परेशानी न उठानी पड़ती। बुधवार को उक्त गांव पहुंची जागरण टीम से लोगों ने बताया कि जंगली जानवर के हमले से राहत के लिए कंट्रोल रूम से लेकर विधायक तक गुहार लगाई गई लेकिन काफी विलंब से वन विभाग द्वारा जानवर को पकड़ने का अभियान शुरू किया गया। गांव के शक्ति पटेल ने बताया कि सुबह छह बजे की घटना में राहत कार्य काफी देर से शुरू हुआ। तेज बहादुर, हिनाऊ, जंग बहादुर का कहना था कि रात में जब तेंदुआ भिंडी के खेत से भागा तो सारे प्रशासनिक अधिकारी और पुलिसकर्मी भी उन्हें राम भरोसे छोड़कर भाग निकले। सिर्फ लखनऊ से आई टीम रात एक बजे तक वहां जमी रही। अनिल कुमार, राम मिलन, साधना, प्रदीप पटेल का कहना था कि विधायक सदर को दूरभाष पर अवगत कराया गया लेकिन उन्होंने गांव पहुंचना मुनासिब नहीं समझा। राजपति, जसवंत का कहना था कि पूरी रात उन लोगों ने जागकर बिताई है। उनका डर अभी उसी प्रकार बना हुआ है। जब तक तेंदुआ पकड़ा नहीं जाता हमले की आशंका बनी हुई है।

80 किलोग्राम तोरई गायब : सराय बहेलिया गांव का शक्ति पटेल लगभग 80 किग्रा तोरई तोड़कर बेचने जा रहा था। इसी बीच भिंडी के खेत में जान[illegible] की सूचना पर वह खेत में [illegible] जानवर के हमले से [illegible] उसके द्वारा बेचने [illegible] किसी ने गायब कर [illegible] बताया कि हरी सब्[illegible] की रोटी मिलती है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
धवार, 23 जनवरी 2013, इलाहाबाद, पांच प्रदेश, 18 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com
वर्ष 4

सांप काटने से दहशत, घबराएं नहीं

सीएमओ कुंभ मेजर डॉ. बीपी सिंह ने कहा कि सांप काटने के दौरान घबराना नहीं चाहिए। 80 फीसदी लोग घबराहट के कारण मौत का शिकार होते हैं। सर्प दंश के शिकार व्यक्ति को चार घंटे तक सोने नहीं देना चाहिए। जहां पर सांप ने काटा, उसके आगे के हिस्से को बांध देना चाहिए। सांप काटने के बाद पीड़ित को स्थिर रखने से जहर ज्यादा दूर तक नहीं फैलता।

घूम रहे हैं सपेरे

कुंभ में खूब सपेरे घूम रहे हैं। सांप दिखाकर भिक्षा मांगने का काम हो रहा है। कई देशी-विदेशी लोग सांप देखने के लिए कौतूहल में उनके इर्द-गिर्द खड़े होते हैं। कई लोग सांपों से खेलते हैं जो खतरनाक हो सकता है।

हिन्दुस्तान 10
इलाहाबाद •मंगलवार •22 जनवरी 2013

तीन साल की उम्र में पकड़ता है मगरमच्छ

लदंन। तीन साल की उम्र में बच्चे बॉल और टेडी बियर से खेलते हैं, लेकिन इसी उम्र में ऑस्ट्रेलिया का चार्ली पार्कर मगरमच्छों और सांपों से खेलता है। उसको ऑस्ट्रेलिया का सबसे छोटा वन्यजीव रेंजर माना जा रहा है। वह ढाई मीटर लंबे अजगर को काबू कर सकता है। चार्ली को यह गुण विरासत में मिला है। उसका परिवार तीन पीढ़ियों से वन्य जीवों से जुड़े काम में सक्रिय रहा है, जिसके पास विक्टोरिया के वालार्ट वन्य जीव पार्क का मालिकाना हक है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि लोग अकसर बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं। इसी वजह से बच्चों को खतरनाक जीवों से दूर रहने की सलाह देते हैं। लेकिन चार्ली को मगर और सांपों से ही प्यार है।

मगरमच्छ के बच्चे को पकड़ते हुए चार्ली।

5

इलाहाबाद, शनिवार, 5 जनवरी , 2013

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

www.jansandesh.in

पौष मास, कृष्ण पक्ष

समस्त क्षेत्रवासियों को नव वर्ष 2013 मंगलमय हो

पीएफए अनुसंधान संस्थान उ0प्र0

प्रेम कुमार पटेल

अध्यक्ष/प्रभारी- पीएफए आईआर यू0पी0
मानद पशु कल्याण अधिकारी (एडब्लूबीआई)
पर्यावरण एवम वन मंत्रालय भारत सरकार

बी.के.एम. टार्जन

अध्यक्ष/प्रभारी- पीएफए आईआर
यू0पी0 मानद पशु कल्याण अधिकारी
(एडब्लूबीआई) पर्यावरण एवम वन
मंत्रालय भारत सरकार

राकेश यादव, वन्य जीव सहायक-पीएफए आईआर यू0पी0, सचेन्द्र कुमार प्रजापति- लेखाधिकारी-

हिन्दुस्तान इलाहाबाद •सोमवार •31 दिसंबर 2012 06

हलचल

घायल अजगर के मिलने से सनसनी

फाफामऊ। फाफामऊ रेलवे ओवरब्रिज के पास रविवार को झाड़ी में एक अजगर देखकर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने वन विभाग के कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने अजगर को कब्जे में ले लिया। अजगर के शरीर पर कई गहरे घाव के निशान पाए गए। अजगर के पड़े होने की सूचना पर लोगों की खासी भीड़ एकत्र हो गई।

युगदेश भारत, इलाहाबाद 08नवम्बर,2012

चर्चा का विषय बना मगरमच्छ पकड़ा गया

▸ मौजूद रहे वन विभाग के अफसर

झूंसी कार्यालय

झूंसी (इलाहाबाद)। विकास खण्ड बहादुरपुर के उर्दी सराय गांव मे ग्रामीणो के बीच दो सप्ताह से चर्चा का विषय बना मगरमच्छ वन विभाग के अधिकारियो की मौजूदगी मे वन जीव निरीक्षक बी०के०टाईगर से अपने सहयोगियो की मदद से मंगलवार की सत घर दबोचा।

बताया जाता है कि-उक्त गांव मे स्थित एक तालाब के पास दो सप्ताह पूर्व दिखाई पडा मगरमच्छ ग्रामीणो के बीच काफी चर्चित हो गया था। ग्रामीणो के मुताबिक उक्त मगरमच्छ पानी से निकलकर कभी आम रास्ते पर तो कभी रिहायशी इलाके की ओर रूख कर देता था। भय-वश लोग शाम ढलते ही घरो मे कैद हो जाया करते थे। मंगलवार की शाम उक्त मगरमच्छ पानी से निकलकर आम रास्ते पर जा बैठा। आने-जाने वाले लोगो रास्ता बदल कर अपने गंतव्य की ओर मजबूरन जाना-आना पडा। ग्रामीणो ने तत्काल मगरमच्छ के निकलने की सूचना वन क्षेत्राधिकारी फूलपुर माकण्डेय सिंह यादव को जरिये मोबाइल दी। सूचना मिलते ही वन रेजर श्री सिंह अपने हमराही के०पी०यादव फारेस्टर, इन्द्रकांत वन रक्षक व वन जीव रक्षक बी०के०टार्जन को साथ लेते हुये मौके पर जा पहुंचे। बी०के०टार्जन से अपने सहयोगी वनजीव सहायक राकेश यादव व प्रेम कुमार पटेल के सहयोग से आम रास्ते पर विचरण कर रहे मगरमच्छ को एक बोरे मे कैद कर लिया। वन अधिकारियो के निर्देश पर रात्रि मे ही पकडे गये मगरमच्छ को यमुना नदी मे छोड दिया गया।

वन अधिकारियों व बी०के०टार्जन द्वारा पकड़ा गया मगरमच्छ।

घर के सामने विचरण कर रहे मगरमच्छ को पकड़कर यमुना में छोड़ा

▶ जमुनीपुर गांव स्थित तालाब में मगरमच्छ को पकड़ने पहुंची वन विभाग की टीम

वन कर्मियों द्वारा पकड़ा गया मगरमच्छ

झूंसी कार्यालय

झूंसी (इलाहाबाद)। स्थानीय थाना क्षेत्र के उस्तापुर महमूदाबाद गांव में तालाब से निकलकर रिहायशी इलाके में दस्तक दियें मगरमच्छ को वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया। पकड़े गये मगरमच्छ को अधिकारियों के निर्देश पर वन विभाग के कर्मियों ने यमुना नदी के गहरे पानी में छोड़ दिया। उधर सरायइनायत थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव स्थित एक तालाब में दिखाई पड़े मगरमच्छ को जाल डालकर पकड़ने का प्रयास किया गया लेकिन अंधेरा हो जाने से टीम वैरंग वापस लौट आयी।

बताया जाता है कि-गत गुरूवार की देर रात उस्तापुर महमूदाबाद गांव स्थित एक तालाब से मगरमच्छ निकलकर घूमते हुयें शर्मिला त्रिपाठी पत्नी स्व० पवन त्रिपाठी के घर के सामने जा पहुंचा। मगरमच्छ के बच्चें को विचरण करता देख वहां पर तमाशबीनों की भीड़ जमा हो गयी। रात्रि के वक्त साहसी किस्म के युवकों ने चद्दर डालकर मगरमच्छ को भागने से रोक लिया और उसे किसी तरह रस्सी में बंधक बना लिया। रात्रि के वक्त ग्रामीणों ने बंधक बनाये गये मगरमच्छ को एक पेड़ पर बांधकर इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना पाकर शुक्रवार की सुबह पहुंची वन विभाग की टीम व चाइल्ड लाइफ इस्पेक्टर वी०के०टार्जन व राकेश कुमार ने उक्त मगरमच्छ को पकड़कर झूंसी पौधशाला ले आये। यहां से टीम में शामिल वन दरोगा के०पी०यादव, वन बीट प्रभारी इन्द्रकांत व पौधशाला प्रभारी श्यामघर पुष्पाकर सरायइनायत थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव पहुंचे। जहां पर एक तालाब में कई दिनों से दिखाई पड़ रहे मगरमच्छ को पकड़ने के लिये वी०के० टार्जन की अगुवाई में जाल डालकर मगरमच्छ की खोज की गई। लेकिन अंधेरा होने के कारण टीम वैरग वापस लौट आयी। अगले दिन पुनः टीम उक्त मगरमच्छ को पकड़ने के लिये जमुनीपुर पहुँचेगी। अधिकारियों के निर्देश पर वन क्षेत्राधिकारी मार्कण्डेय यादव की अगुवाई में वन कर्मियों ने पकड़े गये मगरमच्छ को यमुना नदी के गहरे पानी में छोड़ दिया।

6 डेली न्यूज़ एक्टिविस्ट
इलाहाबाद, शनिवार, 13 अक्टूबर 2012
www.dailynewsactivist.com

ग्रामीणों ने दिखाया साहस, पकड़ा मगरमच्छ

डेली न्यूज़ नेटवर्क

झूंसी (इलाहाबाद)। उस्तापुर महमूदाबाद गांव के तालाब में दो मगरमच्छों के आने से ग्रामीण परेशान थे, जिसमें से एक को आज ग्रामीणों ने पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि वन विभाग की ओर से कोई कार्यवाही न होने की दशा में ग्रामीणों यह कदम उठाया। गौरतलब है कि करीब एक माह पूर्व ग्रामीणों ने तालाब में दो मगरमच्छों को देखा था जिसकी सूचना वन विभाग को दी थी। ग्रामीणों की मानें तो सूचना देने के बाद वन विभाग की ओर से कार्यवाही नहीं की गई। कर्मचारी आये और तालाब देखकर चले गये। उधर मगरमच्छ तालाब से निकलकर घरों की ओर आते देखे जाने लगे जो ग्रामीणों के लिये दहशत का सबब बन गया। आज जब सर्वोदय प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग अनुसंधान संस्थान की ओर जैसे ही मगरमच्छ जाने लगे तो ग्रामीणों ने हल्ला बोल एक मगरमच्छ को पकड़ लिया जबकि दूसरा भाग गया। पकड़े गये मगरमच्छ की लम्बाई करीब तीन फुट बताई जा रही है। उधर सूचना पाकर वन विभाग की टीम गांव पहुंची। मगरमच्छ को कब्जे में लेकर गंगा नदी में छोड़ दिया गया लेकिन खोजबीन के दौरान दूसरा मगरमच्छ दोबारा किसी को नजर नहीं आया।

इलाहाबाद

03 हिन्दुस्तान
इलाहाबाद •शनिवार •13 अक्तूबर 2012

मगरमच्छ अब गांव में घुस कर परेशान कर रहे हैं लोगों को

डिस्कवरी टीम ने पकड़ा मगरमच्छ

हनुमानगंज/झूंसी | निसं.

मगरमच्छ अब गांव में घुस कर लोगों को परेशान कर रहे हैं। हनुमानगंज इलाके के कई गांव इनसे परेशान हैं। ये मगरमच्छ रात अंधेरे में उनके मवेशी उठा लें जाते हैं। मगरमच्छों के आतंक की खबर सुनकर डिस्कवरी चैनल और वन विभाग की टीम पहुंची तो एक छोटा मगरमच्छ हाथ आया। बाकियों की तलाश जारी है।

जमुनीपुर गांव के एक तालाब में महीने भर से एक मगरमच्छ को देखा गया था। उसे पकड़ने के लिए ग्रामीणों ने कई बार कोशिश की लेकिन वह हाथ नहीं आ सका। शुक्रवार को इसकी सूचना पाकर वन विभाग व डिस्कवरी चैनेल वाले मौके पर पहुंचे।

तभी खबर मिली कि पड़ोस के उस्तापुर महमूदाबाद गांव के तालाब में कई दिन पहले दो मगरमच्छ को देखे गए थे। लोग परेशान थे। परेशानी तब और बढ़ गई जब मगरमच्छों ने गांव की एक बकरी को अपना चारा बना लिया। लोग शाम होते ही खुद तो घरों में कैद हो जाते हैं। साथ ही मवेशियों को भी साथ घरों में बंद कर लेते थे। इसकी सूचना वन विभाग को दी गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। शुक्रवार को ग्रामीणों ने ही जाल डालकर मगरमच्छ को पकड़ लिया। दूसरे की अभी तलाश की जा रही है। ग्रामीणों ने मगरमच्छ को डिस्कवरी के वाइल्ड लाइव इंस्पेक्टर बीके टारजन, वन क्षेत्राधिकारी मार्कण्डेय यादव, वन दारोगा केपी यादव, बीट प्रभारी इंद्रकांत को सौंप दिया। उक्त टीम ने मगरमच्छ को कोटवा के निकट गंगा की धारा में छोड़ दिया।

डिस्कवरी टीम ने पकड़े गए मगरमच्छ को गंगा में छोड़ दिया • हिन्दुस्तान

अमर उजाला कॉम्पैक्ट इलाहाबाद, मंगलवार, 31 जुलाई 2012

हिंसक जानवर के हमले से दहशत में ग्रामीण, मिसिरमऊ में दिखा पंजे का निशान

वन विभाग के अफसरों ने तेजगढ़ में डाला डेरा

प्रतापगढ़। बेलहा में आतंक का पर्याय बना हिंसक जानवर का सोमवार को भी कहीं पता नहीं चल सका। उसके पदचिह्न अब लालगंज इलाके के तेजगढ़ से आगे मिसिरमऊ गांव की ओर देखे गए हैं। अधिकारियों ने तेजगढ़ की ओर अपना डेरा डाल दिया है। पिंजरे को भी अब दूसरे स्थान पर रखा गया है।

वन विभाग की टीम ने रविवार को तेजगढ़ के बरिस्ता गांव में हिंसक जानवर के पदचिह्न दिखने के बाद वन विभाग के अधिकारियों ने खजुरनी से पिंजरा उठाकर बरिस्ता में रख दिया था। इसमें एक कुत्ता भी बांधा गया था लेकिन रात को पिंजरा अपने आप बंद हो गया। सोमवार को दोपहर बाद तक वहां कोई नहीं पहुंचा तो ग्रामीणों ने पिंजरे से कुत्ता बाहर निकाल दिया। दोपहर बाद इलाहाबाद वन संरक्षक अंजनी आचार्य मौके पर पहुंचे डीएफओ मनोज सोनकर, वन्य जीव निरीक्षक इलाहाबाद बीके टार्जन, पशु कल्याण अधिकारी प्रेम कुमार पटेल के साथ ही फतेहपुर और कौशांबी से आए अधिकारियों ने भी तेजगढ़ में अपना डेरा डाल दिया। यहां सभी ने नदी किनारे दिन भर हिंसक जानवर की तलाश की। कुछ स्थानों पर लोगों को उसके पैरों के निशान दिखे लेकिन वह लोग आगे नहीं बढ़ सके। जंगल में सरपतों के बीच सभी अधिकारी टहलते रहे। शाम को अधिकारियों ने बरिस्ता गांव से पिंजरा हटा लिया। उसे मिसिरमऊ गांव की ओर ले जाया गया। शाम तक वन विभाग के अधिकारी इसी ओर टहलते रहे।

तलाश

बरिस्ता में वन विभाग के निदेशक को जानकारी देते डीएफओ मनोज सोनकर।

मिसिरमऊ में लोगों ने देखा 'जानवर'

प्रतापगढ़। लालगंज के तेजगढ़ गांव के पास तीन दिन पूर्व छह लोगों को घायल करने वाला हिंसक जानवर अब मिसिरमऊ गांव की ओर देखा गया। गांव के राधेश्याम, इंद्रजीत और मनोज ने उसे देखा था। राधेश्याम के अनुसार रात को उनके घर के पास कुत्ते भौंकने लगे तो वह टार्च जलाया तो करीब ढाई फीट ऊंचा और एक मीटर लंबा काले और लाल रंग का 'जानवर' उन्हें दिखा। उनके शोर मचाते ही वह भाग निकला।

पेज-4 प्रतापगढ़ जागरण

इलाहाबाद, 31 जुलाई 2012

मिश्रमऊ में फिर दिखा तेंदुआ! अलर्ट

- वन विभाग की टीम ने डाला डेरा
- इलाहाबाद से वन संरक्षक भी पहुंचे

सगरासुंदरपुर, प्रतापगढ़ : तेजगढ़ जंगल के पास मिश्रमऊ में फिर रविवार की रात ग्रामीणों ने तेंदुए को देखा। यह सूचना मिलने पर देर शाम तक वन विभाग की टीम ने वहां डेरा डाले रखा। आस-पास के ग्रामीणों को अलर्ट कर दिया गया है।

शनिवार को भोर में तेजगढ़ जंगल की ओर गए शिव कुमार, उसकी बहन मंजू देवी पर तेंदुए ने हमला कर दिया था। इसके बाद रविवार को पूरे दिन कई इलाकों में जायजा लेने के बाद वन विभाग की टीम इस नतीजे पर पहुंची कि तेजगढ़ के इर्द-गिर्द ही तेंदुआ छिपा है। इस बीच रविवार की रात लगभग नौ बजे राधेश्याम शर्मा के घर के पास तेंदुआ फिर दिखा। शोर मचाने पर राधेश्याम की बेटी कुंजन, पड़ोसी इंद्रजीत वर्मा, मनोज वर्मा आदि भागकर पहुंचे। टार्च कीरोशनी में इन लोगों ने तेंदुए को देखने का दावा किया। यह माना जा रहा है कि सई नदी के किनारे मिश्रमऊ घाट पर खोह बना हुआ है, कहीं उसमें तो तेंदुआ छिप नहीं जा रहा है। फिलहाल वन विभाग, दुधवा नेशनल पार्क और पीएफए की टीम यही मानकर रह चल रही है कि तेजगढ़ जंगल के आस-पास ही तेंदुए की लोकेशन है। रविवार की शाम इलाहाबाद के वन संरक्षक एके आचार्य भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने डीएफओ, दुधवा नेशनल पार्क के डा.सौरभ संगाई, वीके टार्जन से काफी देर तक बातचीत की। इसके बाद ट्रैप पिजड़े को बरिस्ता गांव में दूसरी जगह पर लगा दिया गया। डीएफओ मनोज सोनकर ने बताया कि इस बार पिजड़े में कुत्ते की जगह मांस को रखा गया है।

बंद हो गया था ट्रैप पिजड़ा : बरिस्ता गांव में तेंदुए को पकड़ने के लिए जिस ट्रैप पिजड़े को लगाया गया था, वह सुबह बंद दिखा। ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो अंदर बंद कुत्ता चिल्ला रहा था। ग्रामीणों ने पिजड़े खोलकर कुत्ते को बाहर निकाला।

तेंदुए को पकड़ने को रणनीति बनाती टीम व पिंजड़ा लगाते लोग।

जंगली जानवर के हमले में तीन घायल

सगरा सुंदरपुर, प्रतापगढ़ : लालगंज कोतवाली क्षेत्र के सगरा सुंदरपुर में जंगली जानवर के हमले से तीन लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के शकूहाबाद गांव निवासी रमाकांत गिरि सहित तीन लोग सोमवार देर रात सगरा बाजार से घर जा रहे थे। बाजार से थोड़ा आगे बढ़े ही थे कि एक जंगली जानवर ने उनपर छलांग लगा दी, जिससे तीनों गिर पड़े। जानवर ने गिरने के बाद उन पर हमला बोल दिया और पंजे से रमाकांत के चेहरे पर वार कर दिया जिससे वह घायल हो गया। साथ रहे दो अन्य लोग भी हमले में घायल हो गए।

अमर उजाला इलाहाबाद। सोमवार। 30 जुलाई 2012

पेज-

तेंदुए की तलाश में खाक छानती रहीं चार टीमें

भुपियामऊ इलाके में दिन भर सई नदी के किनारे जंगल में होती रही खोजबीन

अमर उजाला ब्यूरो

प्रतापगढ़। नगर के भुपियामऊ इलाके में तेंदुए की तलाश में वन विभाग की चार टीमें रविवार को खाक छानती रहीं। दिन भर खोजबीन के बाद कुछ टीमों को पदचिह्न तो मिले लेकिन तेंदुए का कहीं सुराग नहीं लग सका। रविवार को कौशांबी और फतेहपुर के अधिकारियों ने खोजबीन की कमान संभाल रखी थी। खजुरनी गांव में लगाया गया पिंजरा भी शनिवार की रात खाली रहा।

एसडीओ लालगंज रामअधार के नेतृत्व में बनी टीम में डीएफओ भी शामिल रहे। रफीक, फतेह बहादुर, आशीष सिंह आदि ने अपना सर्च आपरेशन जेल रोड से कादीपुर पहुंचकर शुरू किया। ये लोग कादीपुर से सई नदी किनारे होते हुए पूरे रायजू तक गए। रास्ते में कई गांवों के लोगों से बात की और नदी किनारे तेंदुए के पंजों के ताजा निशान भी देखे। ये लोग शाम तक नदी किनारे सरपतों के बीच तेंदुए की तलाश करते रहे।

दूसरी टीम फतेहपुर के एसडीओ सुभाष चंद त्रिपाठी के नेतृत्व में बनी। इसमें रेंजर रमेश चंद पाठक, वन दरोगा सियाराम पांडेय, इलाहाबाद से आए वन्य जीव निरीक्षक वीके टार्जन, पशु कल्याण अधिकारी प्रेम कुमार पटेल आदि शामिल थे। ये लोग खजुरनी में लगे पिंजरे के पास गए। वहां से बोधी पांडेय का पुरवा, रुकुआ नाला, परशुरामपुर, पृथ्वीगंज, छैंवा, मतुई नमक सायर गांवों के पास जंगलों में करते रहे। इस टीम को भी कई जगह तेंदुए के पदचिह्न मिले।

तीसरी टीम लालगंज के तेजगढ़ इलाके में रही। यहां शनिवार को दो स्कूली बच्चों सहित छह लोगों को तेंदुए ने जख्मी कर दिया था। कौशांबी से आए एसडीओ आरके दीक्षित के नेतृत्व में निकली टीम में रेंजर पट्टी आरके उपाध्याय, फारेस्टर रवि प्रकाश और कौशांबी से आए तीन कर्मचारी शामिल रहे। इन लोगों ने तेजगढ़ की ओर सई नदी के तटीय इलाके में छह किलोमीटर से अधिक का सफर तय किया। नदी के दक्षिणी किनारे पर कई जगह तेंदुए के पदचिह्न मिले। टीम ने शनिवार को तेंदुए के हमले में घायल लोगों से बातचीत की और खरोंच के निशान देखे।

चौथी टीम एसडीओ सदर रमेशचंद के नेतृत्व में निकली थी। इसमें रेंजर सदर बीबी सिंह, डिप्टी रेंजर भाष्कर पांडेय, फारेस्टर वीरेंद्र सिंह और दिनेश बहादुर सिंह मौजूद थे। यह लोग पहले सराय बहेलिया गांव पहुंचे। यहां पहले दिन घायलों के खरोंच का फोटो किया। इसके बाद लोगों ने भुपियामऊ इलाके के कई गांवों के पास के जंगल का भ्रमण किया। शाम तक तलाश करने के बाद भी टीम के लोग खाली हाथ रहे। रविवार को तेंदुए के कहीं कोई हमला न करने के कारण उसकी मौजूदगी का सिर्फ अंदाजा ही लगाया जाता रहा।

खजुरनी गांव के जंगल में रखे गए पिंजरे को देखते वन विभागकर्मी।

- कई जगह मिले पदचिह्न, पिंजरा खाली पड़ा रहा
- कौशांबी व फतेहपुर के अफसरों ने संभाली कमान

अष्टभुजा नगर में दिखे निशान

शहर के करीब अष्टभुजा नगर की ओर भी तेंदुए के पैरों के निशान देखे गए। रात में यहां तेंदुए ने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। सुबह लोग उसके पैरों के निशान देखकर हैरान हो उठे। इसकी जानकारी इलाके में तेजी से फैली और कुछ ही देर में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। गांव के लोगों ने अष्टभुजानगर के जंगल में उसकी खोजबीन की लेकिन कुछ अता पता नहीं चला।

बरिस्ता में शिफ्ट किया पिंजरा

तेंदुआ पकड़ने के लिए खजुरनी में लगाया गया पिंजरा वन विभाग के अधिकारियों ने तेजगढ़ के पास बरिस्ता गांव में शिफ्ट कर दिया। डीएफओ मनोज सोनकर ने बताया कि तेजगढ़ की ओर उसके जाने के निशान मिले हैं। ऐसे में संभावना है कि वह इसी तरफ ही होगा। पिंजरा खजुरनी से यहां लाया गया है। यहां भी पिंजरे के भीतर एक कुत्ता बांधा गया है।

सांसद ने की घायलों से मुलाकात

प्रतापगढ़। जिले की कांग्रेस सांसद रत्ना सिंह ने सराय बहेलिया और श्रीकांत पुर गांव जाकर तेंदुए के हमले के घायलों से मुलाकात की। उन्होंने घायल विनोद मिश्र, निर्मला देवी, प्रदीप पटेल, शक्ति पटेल, मोहर्रम अली, मुईनुद्दीन, महेंद्र हरिजन, अरुण पांडेय आदि को इलाज के लिए आर्थिक सहायता दी। सांसद को वन विभाग के अधिकारियों ने तेंदुए के बारे में जानकारी दी। सांसद ने कहा, तेंदुए से लोगों को जान का भी खतरा है। उसका जल्द पकड़ा जाना जरूरी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे शासन स्तर पर उनकी खेती के नुकसान की भरपाई दिलाने का प्रयास करेंगी। सांसद के साथ ब्लाक अध्यक्ष कैलाश शुक्ला, मो. शफीक, कुंवर मनीष सिंह, मो. इसहाक खां, शब्लेंद्र द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

दुधवा नेशनल पार्क की टीम पहुंची

दुधवा नेशनल पार्क लखीमपुर की टीम भी रविवार को बेल्हा पहुंच गई। वहां के डा. सौरभ सिंघई के नेतृत्व में आई टीम ने रविवार को बेल्हा के कई इलाकों में मिले तेंदुए के पदचिह्न देखे। शाम को यह लोग तेजगढ़ की ओर बरिस्ता गांव पहुंचे। यहां शनिवार को घायल लोगों के निशान देखने के बाद सई नदी के किनारे तेंदुए के पदचिन्ह भी देखे। देर रात तक यह लोग तेजगढ़ इलाके में ही टहलते रहे।

टीमों ने ग्रामीणों को किया सचेत

वन विभाग की टीमों ने तेंदुए की खोज [illegible] के दौरान ग्रामीणों को सजग भी किया। वन्य जीव निरीक्षक [illegible] वीके टार्जन ने लोगों से घर के अंदर सोने की अपील [illegible] हर हाल में घर के भीतर ही सुलाएं। [illegible] बच्चों को तो सुरक्षित स्थानों पर बांधने के लिए कह[illegible] भी रात में ही होने का अधिक खतरा रह[illegible] हमला करेगा जब खुद पर उसे मुश्किल दि[illegible] हमला

तेंदुए ने ही किया है हमला : टार्जन

- दावा पीएफए के वन जीव रक्षक का
- तेंदुए को पकड़ने में हुई लापरवाही

प्रतापगढ़ : पांडेय का पुरवा गांव और उसके इर्द-गिर्द बच्चे, जानवरों पर हमला तेंदुए ने ही किया है, यह दावा किया है पीएफए के वन जीव रक्षक वीके टार्जन ने।

तीन दिन बाद फिर तेंदुए के हमले की जानकारी होने पर मुख्य वन संरक्षक सीवी नाथ, पीएफए के वन जीव रक्षक वीके टार्जन, प्रेम कुमार पटेल शनिवार को पांडेय का पुरवा गांव पहुंचे। वहां पांडेय का पुरवा और किना का पुरवा गांव के बीच पिजड़ा लगाया गया, उसमें एक कुत्ता

ग्रामीणों को सतर्क करते वन्य जीव रक्षक वीके टार्जन।

रखा गया। जैसे ही तेंदुआ पिजड़े में घुसेगा, पिजड़ा खुद बंद हो जाएगा।

इस दौरान टार्जन ने कहा कि सरायबहेलिया गांव में तेंदुए को पकड़ने में लापरवाही बरती गई। यह जानते हुए भी कि तेंदुए को रात में कई गुना अधिक दिखता है, ऐसे में पर्याप्त रोशनी के बगैर उसे पकड़ने का प्रयास किया गया, जबकि ग्रामीणों को आधा किमी दूर करके 10-15 बकरी बांधनी चाहिए थी, तभी उसे पकड़ा जा सकता था।

उन्होंने बताया कि यह तेंदुआ भटककर यहां पहुंच गया है, वह शिकारी नहीं बन पाया है। इसलिए वह भूखा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि रात में बच्चों को घर से बाहर न निकलने दें। अगर निकलें तो हाथ में मशाल या टार्च जरूर लिए रहें।

GAP

...ब संग तस्कर पुलिस ने दबोचा

...धारा : रविवार को चौकी इंचार्ज ...ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र ...गवां गांव के मजरा अमिलहवा में ...श देकर 480 सीसी मध्य प्रदेश ...त अवैध शराब संग तस्कर को ...च लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ...र्देश पर क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों ...अंकुश लगाने के लिए थानाध्यक्ष ...र्देश में चौकी इंचार्ज जारी मानवेंद्र ...प मिश्र हमराहियों के साथ क्षेत्र ...श्त पर थे। इसी बीच मुखबिर से ...ना मिली कि दगवां के अमिलहवा ...राब तस्कर भारी मात्रा में मध्य प्रदेश ...त शराब लेकर उसे क्षेत्र में खपाने ...फिराक में है। पुलिस ने घेरेबंदी कर ...आरोपित को दबोच लिया, जबकि ...ा पाकर दो आरोपित फरार हो गए। ...ाछ में युवक ने अपना नाम अरुण ...र बिंद पुत्र चंद्रबली निवासी बरेठिया ...धवारा बताया।

...के विरोध में ...किया घेराव

...ज में कार न देने पर विवाहिता ...मारपीट कर घर निकाला

..., मांडा: मांडा क्षेत्र के धरोंवानारा गॉव ...रहने वाले सूर्यभान सिंह ने आरोपित ...या है कि उन्होंने अपनी बेटी ललिता ...की शादी 26 अप्रैल 2015 को मेजा ...बिजौरा गॉव के रहने वाले अजीत ...ह के साथ किया था। शादी के बाद ...ही पति अजीत, ससुर शेषमणि और ...चा सियाराम दहेज में कार की मांग ...पूरी करने को लेकर उत्पीड़न किया ...ते थे।

...एक बार सुलह समझौता भी हुआ ...किन ससुरालीजनो की ओर से ...पीड़न बन्द नहीं हुआ। शनिवार को ...ी कार की मांग को लेकर उपरोक्त ...गों ने ललिता को मार पीट कर घर ...बाहर निकाल दिया। पीड़िता के पिता ...तहरीर पर पुलिस ने आरोपितों के ...लाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

...ास निर्माण ...च के निर्देश

...आखिर उत्पाती बंदरों को पकड़ेगा कौन

जासं, प्रयागराज : शहर में मेहंदौरी, दारागंज, अल्लापुर, छोटा बघाड़ा, तेलियरगंज, शिवकुटी समेत कई वार्डों में बंदरों का उत्पात बढ़ गया है। लोग परेशान हो गए हैं, मगर बंदरों को न तो वन विभाग पकड़ रहा है, न ही नगर निगम। दोनों विभाग जिम्मेदारी पर पर्दा डाल रहे हैं। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इन बंदरों को पकड़ेगा कौन?

शनिवार को चाका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर के पास बंदर के डर से पंद्रह वर्षीय अमित दीवार से गिर गया था जिससे उसकी मौत हो गई थी। इसके पहले भी यहां के बंदर कई लोगों को काट चुके हैं। दिन पर दिन इनकी संख्या बढ़ती जा रही है। शहर के कई इलाकों में यही स्थिति है। नगर निगम के पशु चिकित्सक एवं कल्याण अधिकारी डॉ. धीरज गोयल का कहना है कि नगर निगम के पास बंदरों को पकड़ने की कोई व्यवस्था नहीं है। वन विभाग से अनुमति लेकर प्राइवेट व्यक्ति द्वारा बंदर पकड़ा जाता है। वहीं जिला वन अधिकारी वाइपी शुक्ला का कहना है कि नगर क्षेत्र में अगर बंदरों की समस्या है तो उसका निस्तारण कराने की जिम्मेदारी नगर निगम की है। नगर निगम जब अनुमति मांगता है तो उसे यह बता दिया जाता है कि बंदर को पकड़ने के बाद कहां पर छोड़ा जा सकता है।

सवाल

- शहर में कई मोहल्लों में बंदरों का आतंक, लोग परेशान
- नगर निगम और वन विभाग एक-दूसरे पर थोप रहे जिम्मेदारी

पब्लिक के बोल ...

जब से बाढ़ आई है, तब से बंदरों की समस्या बढ़ गई है। बंदर घरों में घुस जाते हैं। कपड़े फाड़ देते हैं। सामान तोड़ देते हैं। वन विभाग और नगर निगम में शिकायत करने पर भी बंदरों को पकड़ा नहीं जा रहा है।

-राजनारायण तिवारी, दुर्गा मंदिर महावीरपुरी

हर साल इस महीने में बंदरों का आंतक बढ़ जाता है। बंदर तमाम लोगों को काट भी लेते हैं लेकिन इन्हें पकड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। वन विभाग और नगर निगम एक-दूसरे पर जिम्मेदारी थोपते हैं।

-पंडित रवीश गिरी, मेला रोड शिवकुटी

बंदरों को पकड़ने के लिए टारजन को बुलाना पड़ता है। वह एक-एक बंदर को पकड़ने के लिए पांच हजार रुपये तक लेता है। नगर निगम और वन विभाग की जिम्मेदारी है कि वह बंदरों को पकड़वाए, लेकिन दोनों विभाग मुंह मोड़ लेते हैं।

-योगेश पुरी, टीवी कालोनी तेलियरगंज

यह हर साल की समस्या है। बंदर मोहल्लों में उत्पात मचाते हैं। लोगों को घायल करते हैं। उन्हें पकड़ा नहीं जाता। आखिरकार यह कैसे पता चले कि उत्पाती बंदरों की जानकारी किस विभाग को देनी होगी।

-चंद्र मणि त्रिपाठी, सीता नर्सरी रोड

बंदर एक वन प्राणी है। इसलिए वन विभाग को ही बंदर पकड़ना चाहिए। नगर निगम में बंदर पकड़ने की कोई व्यवस्था नहीं है। बंदरों को लेकर शिकायत आती है तो उसे पकड़वाने के लिए वन विभाग की मदद ली जाती है।

-डॉ. उज्ज्वल कुमार, नगर आयुक्त

विकास की गति में बारा क्षेत्र कभी नहीं होगा पीछे : अजय

नारीबारी: बारा विधान सभा क्षेत्र मे त्वरित आर्थिक विकास योजना के ... विकास में कभी पीछे नही रहेगा। एक वर्ष मे विधायक के प्रयास से अगर 100 ...

दैनि...